उत्तर प्रदेश सीमेंट निगम, सोनभद्र में उत्पादन

776: डा० रत्नाकर पाण्डेय: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय उत्तर प्रदेश सीमेंट निगम सोनभद्र की कितनी इकाइयां काम कर रही है ;

(ख) प्रतिवर्ष इसमें कितने टन सीमेंट का उत्पादन होता है और इसमें कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि इस संस्थान को गैर-सरकारी क्षेत्र को बेचे जाने के लिए कार्यवाही चल रही है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस सरकारी उपक्रम को बिरला या मोदी ग्रुप के लोगों को बेचने के लिए बातचीत चल रही है ;

(ङ) क्या सरकार ने इस कारखाने को भारतीय सीमेंट निगम के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत लाने के लिए कोई पहल की है ; और

(च) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह): विवरण :

(क) उत्तर प्रदेश सीमेंट लि० सोनभद्र के मिर्जापुर जिले में चर्क, डाल्ला एवं चुनार में तीन सीमेंट एकक हैं जिनकी लाइसेंसप्राप्त क्षमता क्रमशः 4.75, 4.32 और 16.80 लाख मी. टन वार्षिक है।

(ख) वर्ष 1987-88, 1988-89 और 1989-90 के दौरान उनके एककों का सीमेंट उत्पादन इस प्रकार रहा :—

सीमेंट उत्पादन (रुपये लाख में)

वर्ष	चुनार	चर्क	डाल्ला	कुल योग
1987-88	10.25	0.97	0.29	11.51
1988-89	9.60	0.85	0.89	11.34
1989-90	9.00	0.12	0.08	9.20

निगम में कुल 4515 कर्मचारी कार्य कर रहे हैं।

(ग) और (घ) उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उस ने निगम को सहायता प्राप्त/संयुक्त क्षेत्र में परिवर्तित करके इसके प्रबन्ध को सुदृढ़ बनाने का निर्णय किया है।

(ङ) जी, नहीं।

(च) ऊपर (क) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

मध्य प्रदेश में गोबर गैस बायो गैस संयंत्र

777. श्री शिव प्रसाद चनपुरिया : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जून, 1990 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश के ऐसे गांवों की संख्या कितनी है जहां ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्रोत विकसित करने के लिए गोबर गैस या बायो गैस संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं ;

(ख) सफलतापूर्वक चल रहे संयंत्रों की संख्या कितनी है ; और

(ग) ऐसे संयंत्र स्थापित करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा कितना अनुदान उपलब्ध कराया जाता है ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) राष्ट्रीय बायोगैस विकास परियोजना के अंतर्गत राज्य सरकार की नोडल एजेंसी, खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, इत्यादि द्वारा सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में बहुत से गांवों में 1981–82 से 1990–91 (जून, 1990 तक) की अवधि में कुल 37,390 पारिवारिक बायोगैस संयंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा एक अलग कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश में सामुदायिक तथा संस्थागत बायो गैस संयंत्रों की स्थापना के लिए अब तक कुल 102 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं।

(ख) राष्ट्रीय प्रायोगिक आर्थिक अनुसन्धान परिषद, के अनुसार, जिसने हाल ही में मध्य प्रदेश राज्य में एक मूल्यांकन सर्वेक्षण अध्ययन किया है, सर्वेक्षण किए गए लगभग 70.1 प्रतिशत पारिवारिक संयंत्र सफलतापूर्वक कार्य करते हुए पाए गए। जहां तक सामुदायिक तथा संस्थागत बायोगैस संयंत्रों का सम्बंध है, अब तक 67 परियोजनाएं पूरी हो गई हैं।

(ग) राष्ट्रीय बायोगैस विकास परियोजना के अंतर्गत 1981–82 से 1989–90 की अवधि के दौरान, राज्य सरकार के नोडल विभाग/एजेंसी और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के लिए क्रमशः कुल 7.28 करोड़ रुपए से अधिक और लगभग 1.78 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। सामुदायिक तथा संस्थागत बायोगैस संयंत्र कार्यक्रम के तहत राज्य की अनुमोदित परियोजनाओं के लिए करीबन 1.62 करोड़ रुपए निर्मुक्त किए गए हैं।

Southern Gas Grid

778. SHRI M. VINCENT; Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1438 given in the Rajya Sabha on the 25th March, 1990 and state:

(a) whether any action has so far been taken with regard to the appointment of an inter-Ministerial group to examine the various issues relating to the establishment of a Southern Gas Grid; and

(b) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY); (a) and (b) An in;er-Ministerial Group has been constituted under the Chairmanship of Adviser (Energy), Planning Commission, to examine the issues relating to the construction of a pipeline for the transportation of natural gas from the Western Offshore to the Southern Region.

.Non-nvallaWlily of Wafarian Tablets

779. SHRI M. VINCENT: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state;

(a) whether Government are aware that Wafarian tablets, a heart drug, are in acute shortage in the market

(b) whether it is a fact that the non availability of this drug is due to the import policy of Government; and

(c) what steps Government are taking to make this life saving drug available in the market?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) There is no shortage of Wafarian (Uniwarfin) in the market.

.(b) No, Sir. ...

(c) Does not arise.